

## वसंत ऋतु

भारत ऋतुओं का देश है। हमारे देश में छह प्रकार की ऋतुएँ होती हैं - ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु, शरद ऋतु, शिशिर ऋतु, वसंत ऋतु और हेमंत ऋतु। इतनी सारी ऋतुएँ भारत में होती हैं। सभी ऋतुएँ अपनी-अपनी विशेषताओं के लिए जानी जाती हैं। इन ऋतुओं के प्रभावों से हम सभी लोग प्रभावित होते रहते हैं। सभी ऋतुओं का अपना महत्व होता है। इन सभी ऋतुओं में सबसे अच्छी वसंत ऋतु होती है। अच्छी विशेषताओं के कारण ही वसंत ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा कहा जाता है।

वसंत ऋतु में न तो अधिक ठंडक पड़ती है, न तो अधिक गर्मी पड़ती है और न ही वर्षा होती है। इस ऋतु का मौसम बहुत ही सुहावना होता है। वसंत ऋतु अच्छी भावनाएं, अच्छा स्वास्थ्य और पौधों को नया जीवन देती है। यह सबसे अधिक सुंदर और आकर्षक मौसम है जो फूलों के खिलने के लिए अच्छा मौसम है। मधुमक्खियाँ, भौरें और तितलियाँ फूलों की कलियों के आसपास मंडराते हैं और स्वादिष्ट जूस, फूलों की सुगंध को चूसने का आनंद लेती हैं और शहद बनाती हैं। इस मौसम में लोग फलों के राजा आम को खाने का आनंद लेते हैं। कोयल घने पेड़ों की शाखाओं पर बैठकर गाना गाती हैं और सबके दिलों को जीत लेती हैं। वसंत ऋतु के आगमन पर सभी लोग वसंत पंचमी का त्यौहार मनाकर खुशियां मनाते हैं।

इस ऋतु में जितने भी पेड़-पौधे होते हैं, उनके पुराने पत्ते झड़ जाते हैं और नए-नए पत्ते आ जाते हैं। सभी पेड़-पौधों पर रंग-बिरंगे फूल खिल जाते हैं। सारा वातावरण सुगंधित हो जाता है। वसंत ऋतु अपनी सुंदरता से सबका मन आकर्षित कर लेता है। इन्हीं सभी विशेषताओं के कारण ही वसंत ऋतु को ऋतुओं का राजा या ऋतुराज कहा जाता है।

वसंत ऋतु की कुछ हानियां भी हैं जैसे कि यह मौसम सर्दियों के मौसम के अंत में शुरू होता है और गर्मियों के शुरू होने से पहले आता है जिसके कारण बहुत अधिक संवेदनशील मौसम होता है। बहुत से महामारी वाले रोग जैसे सामान्य जुकाम, चिकन-पाँक्स, खसरा आदि होते हैं। इसलिए लोगों को अपने स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त तैयारियाँ करनी पड़ती हैं।

वसंत ऋतु के दौरान प्रकृति अपने सबसे सुंदर रूप में प्रकट होती है और हमारे हृदय को आनंदित करती है। वसंत ऋतु का पूरी तरह से आनंद लेने के लिए हमें अपने स्वास्थ्य की देखभाल पहले से ही करनी चाहिए, जिसके लिए हमें विभिन्न प्रकार की छुआछूत वाली बीमारियों से प्रतिरक्षा के लिए टीके लगवाने चाहिए।